ISSN No. 2583-9594

जल चेतना

खण्ड 13, अंक 1, जनवरी 2024

तकनीकी पत्रिका

जल संसाधन परियोजनाएं और पर्यावरण पर उनका प्रभाव (आमुख कथा)

- ब्रह्मपुत्र महानद का जलविज्ञानीय विश्लेषण
- भारत के पर्वतीय जल स्रोतों (स्प्रिंग्स) की स्थिति और इनके सतत प्रबंधन हेतु जल शक्ति मंत्रालय के प्रयास
- जल क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के निराकरण में वैश्विक संगठनों विशेष रूप से यूनेस्को का योगदान

विषय सूची

जल चेतना
खण्ड 13, अंक 1, जनवरी 2024
मूल्य : निशुल्क

संरक्षक की कलम से 3
विशेष अनुरोध 4
सम्पादकीय 5
आमुख कथाः जल संसाधन परियोजनाएं और पर्यावरण पर उनका प्रभाव 6
• डॉ. मनीष कुमार नेमा
भूजल से संवरेगा कल 12
• डॉ. अनुभा गुप्ता
ब्रह्मपुत्र महानद का जलविज्ञानीय विश्लेषण 15
• पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का यात्रा वृत्तान्त 21
• डॉ. अर्पिता अग्रवाल
बूँद-बूँद जल अमृत है 27
• डॉ. राजीव गुप्ता
भारत के पर्वतीय जल स्रोतों (स्प्रिंग्स) की स्थिति और इनके सतत प्रबंधन हेतु जल शक्ति मंत्रालय के प्रयास 28
• डॉ. सोबन सिंह रावत एवं डॉ. दीपक सिंह बिष्ट
जल है एक अमूल्य प्राकृतिक वरदान 34
• डॉ. दया शंकर त्रिपाठी
टिकाऊ कृषि हेतु जल-संचयन एवं सिंचाई प्रबन्धन में संरक्षित कृषि का योगदान 37
• डॉ. अवनि कुमार सिंह एवं भावना सिंह
जीवन का आधार हैं वृक्ष 41
• पुष्पेश कुमार पुष्प
जल क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के निराकरण में वैश्विक संगठनों विशेष रूप से यूनेस्को का योगदान 43
• डॉ. अमरेन्द्र भूषण, ओमकार सिंह, डॉ. ज्योति पी. पाटील, डॉ. वी.सी. गोयल एवं राजेश अग्रवाल
जल निकायों की गणना 49
• सुक्रमपाल सिंह एवं सौरभ
मैं देवदार का घना जंगल 53
• अरुण तिवारी
स्मार्ट जल प्रबन्धन 54
• डॉ. रणबीर सिंह
चुनौती बनता वायु प्रदूषण 60
• किरण बाला
कार्टून संकलन
• हंसराज